मचा हड़कंप

शहर में ऑक्सीजन को लेकर फिर मची अफरा-तफरी

निजी अस्पतालों में भर्ती करने के पूर्व ऑक्सीजन की व्यवस्था स्वयं द्वारा करने की बात कही जा रही है

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. मेडिकल कॉलेज के साथ ही निजी अस्पतालों में ऑक्सीजन की किल्लत एक बार फिर से गहरा गई। मेडिकल कॉलेज में मंगलवार रात टैंकर से मिली ऑक्सीजन बुधवार रात करीब 1 बजे तक कि होना बताई जा रही है जबकि निजी अस्पतालों में दोपहर बाद से ही ऑक्सीजन को लेकर भाग दौड़ मची हुई है।

निजी अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने के पूर्व ऑक्सीजन की व्यवस्था स्वयं के द्वारा करने की बात कही जा रही है जिसके चलते मरीज के परिजन ऑक्सीजन के लिए इधर-उधर संपर्क करने में लगे हुए हैं लेकिन उन्हें मदद नहीं मिल पा रही है। वहीं स्थानीय महावीर ऑक्सीजन प्लांट में तकनीकी खराबी की चर्चा शाम से चल रही थी तो किसी का कहना था कि यहां भी लिक्विड ऑक्सीजन की कमी है। ऑक्सीजन की कमी के चलते निजी अस्पतालों से मरीजों को फिर से मेडिकल कॉलेज या फिर घर जाने की बात कही जा रही थी। वहीं दूसरी ओर ऑक्सीजन को लेकर प्रशासन के साथ ही जनप्रतिनिधि भी व्यवस्था को लेकर जुटे हुए थे।

निजी अस्पतालों में आक्सीजन की कमी, एक प्लांट से सप्लाई रुकी

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। कोरोना संक्रमण में मरीजों को बीमारी के साथ आक्सीजन की आपूर्ति के लिए भी जुझना पड़ रहा है। आक्सीजन की आपूर्ति में हो रही कमी से मरीज व स्वजन परेशान हो रहे हैं। मंगलवार रात करीब 11 बजे मेडिकल कालेज को 10 टन आक्सीजन मिली थी, जिससे वहां प्रबंधन को एक दिन के लिए राहत मिल गई, लेकिन बुधवार दोपहर औद्योगिक क्षेत्र स्थित महावीर आक्सीजन से भी आपूर्ति बाधित हो गई। आक्सीजन नहीं मिलने से निजी अस्पतालों में मरीजों के स्वजन सिलिंडर रिफिल कराने के लिए भटकते रहे।

मालूम हो कि अभी करीब 10 टन आक्सीजन प्रतिदिन मेडिकल कालेज में लग रही है। टैंकरों से होने वाली आपूर्ति के साथ ही वैकल्पिक तौर पर मालवा आक्सीजन से मेडिकल कालेज के लिए सप्लाई सिलिंडरों के जरिये की जा रही है। कोविड का इलाज कर रहे निजी अस्पतालों में भर्ती मरीजों सहित अन्य बीमारियों के आक्सीजन की आवश्यकता वाले मरीजों को आपूर्ति नहीं होने से मरीज व स्वजन आशंकित हैं। मेडिकल कालेज के डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि आक्सीजन की आपूर्ति पर लगातार मानीटरिंग कर वैकल्पिक इंतजाम भी किए हैं।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–पत्रिका–पृष्ठ 10 दिनांक 29/04/2021

11 दिन रहेगा कर्फ्यू क्योंकि 8 और 9 को साप्ताहिक लॉकडाउन

प्रदेश अब 9 मई तक लॉक

सख्ती के पक्ष में केन्द्र सरकार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश में सरकार ने कोरोना कर्फ्यू को 7 मई तक बढ़ा दिया है। इसके 8 और 9 मई को शनिवार-रविवार का साप्ताहिक लॉकडाउन रहेगा, यानी प्रदेश 11 दिन लॉक रहेगा। केंद्रीय गृह सचिव अनिल कुमार भल्ला ने भी मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस को पत्र लिखा है। इसमें कहा गया कि जिन जिलों में संक्रमण दर औसतन 10% से ज्यादा है, वहां जनता कर्फ्यू (लॉकडाउन) 10 दिन और बढ़ा दें। इसके बाद सरकार ने यह निर्णय लिया है।

बुधवार को सीएम शिवराज सिंह चौहान ने कहा, हमें अभी संभलकर चलना होगा। कोविड प्रभारी मंत्री समेत मैदानी अफसरों व क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से वर्चुअली संवाद करते हुए सीएम ने कहा, जनता कर्फ्यू कोई लॉकडाउन नहीं है, जनता द्वारा स्वयं संक्रमण से सुरक्षा के लिए लिया गया निर्णय है।

पंचायतें स्वयं ले रहीं संकल्प: सीएम

खुशी है करीब 90 फीसदी ग्राम पंचायतें अपने गांवों में कोरोना कर्फ्यू लगाने का स्वयं संकल्प ले चुकी हैं। इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में कोरोना के केस बढ़ रहे हैं। सरकार का प्रयास है कि सभी जिलों में ऑक्सीजन और इंजेक्शन का आवश्यकतानुसार वितरण किया जा सके।

– शिवराज सिंह चौहान, सीएम

12,758 नए संक्रमित मिले, 14,156 स्वस्थ

मध्यप्रदेश में पिछले करीब सात दिन से नए संक्रमितों की संख्या 13 हजार के आसपास बनी हुई है, जबकि सैंपल की संख्या 60 हजार तक पहुंच गई है। पिछले 24 घंटे में 12,758 नए संक्रमित मिले हैं, जबकि उससे 14156 लोग स्वस्थ हुए हैं। इस दौरान 105 मौतें भी हुईं, जो एक दिन में अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। इससे पहले 23 अप्रैल को 104 संक्रमितों ने दम तोड़ा था।

घट रही पॉजिटिविटी दर

22.76 %	21.71 %
मंगलवार	बुधवार

प्रदेश के रिकवरी रेट में वृद्धि देखी जा रही है। 23 अप्रैल को रिकवरी रेट 80.41 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 81.75 प्रतिशत हो गई है। छिंदवाड़ा, शाजापुर, पन्ना, आगर-मालवा, उमरिया, कटनी, अनूपपुर, गुना, देवास एवं बड़वानी ऐसे 10 जिले हैं, जहां प्रतिदिन नए पॉजिटिव केसों में कमी आई है।

6 महीने में हर संभाग में ऑक्सीजन प्लांट

शिवराज ने कहा कि हर संभाग में अधिकतम छह माह में एक-एक बड़ा ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया जाए। पीथमपुर में पुराने गैस प्लांट को सुधारा गया है। उससे 30 से 32 टन ऑक्सीजन मिलेगी। प्रदेश में कुल 58 ऑक्सीजन प्लांट स्थापित होंगे। 45 के लिए स्थान तय होने के साथ छह में उत्पादन शुरू हो गया है। 13 के लिए जगह का चयन होना है। टारगेट जुलाई तक का है।

अब जिलों के ग्रुप बनाए

शिवराज ने कोरोना समीक्षा के लिए जिले बांटे हैं। अब सभी जिलों की विस्तृत समीक्षा एक साथ नहीं होगी। ग्रुप बनाकर समीक्षा होगी। इसके लिए ग्रुप ए,बी, सी में जिले बांटे हैं। ग्रुप ए में 18, ग्रुप बी में 16 और ग्रुप सी में 18 जिले शामिल हैं।

3 माह का राशन एक साथ देने की घोषणा के बाद इस तरह दुकानों पर लग रही कतार

दुकानों पर राशन के लिए ऐसी लग रही कतार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com 29-4-21

रतलाम. राज्य सरकार द्वारा गरीबों को एक साथ 3 महीने का फ्री में राशन दिए जाने की घोषणा कर दी गई है। ऐसे में अब एक साथ से राशन लेने के लिए दुकानों के बाहर लंबी कतारें लगने लग गई है।

राशन दुकानों पर भीड़ का ऐसा ही एक मामला बुधवार को राजेंद्र नगर क्षेत्र में नजर आया। यहां पर एक राशन दुकान के बाहर उसके खुलने के पहले से ही लोगों की भीड़ जमा हो गई थी। अपने नंबर को लेकर उपभोक्ताओं के द्वारा अपने झूले और राशन कार्ड को जमीन पर रखकर कतार लगा दी। दरअसल गर्मी और तेज धूप में कतार लंबी होने के चलते धूप से बचने के लिए लोगों के द्वारा जमीन पर एक के पीछे एक राशन कार्ड लगाकर लाइन से अपना नम्बर लगा दिया गया था।

अन्य दुकानों पर भी ऐसे हालात

शहर की अन्य राशन दुकानों पर भी इसी तरह की भीड़ नजर आने लगी है। दरअसल हर कोई व्यक्ति समय पर अपने हिस्से का राशन लेकर रख रहा है जिससे कि बाद में किसी प्रकार की कोई परेशानी का सामना ना करना पड़े। राशन दुकानों पर महीने के आखिरी दिनों में पहली बार इस कदर की भीड़ नजर आने लगी है। दरअसल लोगों को 3 माह का राशन देने के लिए समय पर दुकानों पर राशन भी भेजना शुरू कर दिया है।

2 नईदुनिया
इंदौर, गुरुवार 29 अप्रैल, 2021

जिले में 10 हजार मरीज, अप्रैल में आए 4748 नए

कहर बरपा रही कोरोना की दूसरी लहर : बुधवार 296 नए पाजिटिव और पांच की मौत

रतलाम। जिले में कोरोना की दूसरी लहर में हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। जिले में बुधवार को 296 नए मरीजों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा 10 हजार के पार पहुंच गया। अप्रैल माह में लगातार सातवें दिन भी 200 से अधिक नए मामले सामने आए। इससे शासन-प्रशासन के साथ जिलेवासियों की चिंता बढ़ गई है। शासन-प्रशासन, समाजसेवियों और अन्य संगठनों द्वारा मरीजों के लिए किए जा रहे हर संभव प्रयास भी नाकाफी साबित हो रहे हैं। अस्पतालों में जरूरी दवाइयों, इंजेक्शन और आक्सीजन का टोटा बना हुआ है।

कोरोना की शुरुआत से अब तक में अप्रैल 2021 सबसे खतरनाक साबित हो रहा है। चालू माह में लगातार संक्रमितों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। सात अप्रैल से हर दिन 100 से अधिक नए संक्रमित सामने आ रहे हैं। लगातार सात दिन से 200 से अधिक नए संक्रमित सामने आए हैं। शहर के साथ गांव-कस्बों में कोरोना ने पैर पसार लिए हैं। अप्रैल के 28 दिनों में जिले में 4748 नए मरीज मिले हैं, वहीं 3593 स्वस्थ होकर घर लौटे हैं। 93 मौतें भी हुई हैं। पेंडिंग सैंपलों की संख्या भी 1200 से ज्यादा बनी हुई है। बुधवार को 000 मरीजों को स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज किया गया।

सैलाना में शुरू होगा कोविड सेंटर

सेवा भारती रतलाम द्वारा सैलाना में कन्या छात्रावास में कोविड-19 सेंटर चालू किया गया है। कार्यकर्ता और अन्य सामाजिक संगठन के सहयोग से कोविड सेंटर की व्यवस्था चलेगी। यहां पर अभी वर्तमान में 20 बेड की व्यवस्था की गई है और अधिकतम 350 बेड की व्यवस्था की जा सकती है। इस प्रकार की व्यवस्था गुरुवार से सैलाना में कोविड सेंटर चालू हो जाएगा। प्रशासन के सहयोग यहां पर शौचालय, पेयजल और नहाने के पानी, मरीजों के लिए भाप, सुबह-शाम योग प्राणायाम, अल्पाहार, चाय, भोजन सभी प्रकार की व्यवस्था समाज के सहयोग से की जाएगी।

जिले में कोरोना की स्थिति

कुल पाजिटिव	10272
स्वस्थ	8367
मौत	185
एक्टिव	1620

जवाहर नगर बीमा अस्पताल को कोविड अस्पताल में परिवर्तित किया जाए

वर्तमान में कोरोना महामारी में अस्पताल व बेड की किल्लत को देखते हुए शहर कांग्रेस ने जिला प्रशासन से जवाहर नगर स्थित बीमा अस्पताल को कोविड अस्पताल में परिवर्तित करने की मांग की है। बीमा अस्पताल में स्टाफ और अन्य सहूलियत मौजूद है। अगर बीमा अस्पताल को कोविड-19 के तहत 20 मरीजों हेतु बनाया जाता है तो श्रमिक क्षेत्र के लोगों को बहुत फायदा हो जाएगा। बीमा अस्पताल में पहले से ही सारी सुविधाएं उपलब्ध हैं। हाल ही में नागदा में भी बीमा अस्पताल को परिवर्तित किया गया है। बीमित श्रमिकों की सुविधा हेतु एक अन्य डिस्पेंसरी बीमा अस्पताल की पोलो ग्राउंड में स्थित है। अतः किसी विशेष असुविधा का सामना नहीं करना पड़ेगा। अविलंब बीमा अस्पताल को कोविड अस्पताल के रूप में तत्काल बनाया जाए। यह मांग रतलाम शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, यास्मीन शेरानी, विनोद मिश्रा मामा, जेम्स चाको, अदिति दवेसर, प्रेमलता दवे, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष बसंत पंड्या, कमरुद्दीन कछवाय, राजीव रावत, जोयब आरिफ, महिप मिश्रा आदि ने की है।

संकट की घड़ी में वैक्सीनेशन ही एक मात्र हथियार

मिलिंद करंदीकर

कोरोना काल में सभी वर्ग प्रभावित हुए हैं। विश्व पर आए इस महा संकट को हराने के लिए सभी समाज अपनी सहभागिता दे रहे हैं। समाज में जागरूकता अभियान चलाया गया है। संकट की घड़ी में वैक्सीनेशन ही एक मात्र हथियार है।

– मिलिंद करंदीकर, पूर्व अध्यक्ष, महाराष्ट्र समाज, रतलाम

संदीप प्रजापत

अभी वर्तमान में मास्क ही जीवन है। हम सभी ये शपथ लें कि अभी से बिना मास्क के कोई भी स्वयं और परिवार के सदस्यों को घर से बाहर नहीं निकलने देंगे। हम सब मिलकर प्रयास करेंगे तो हमारा परिवार, नगर, जिला, प्रदेश व देश सुरक्षित रहेगा।

– संदीप प्रजापत, किसान, प्रीतमनगर

मोहित किरार

कोरोना महामारी विकराल रूप ले चुकी है। हम विद्यार्थियों का कर्तव्य है कि हम अपने सहपाठियों को भी इससे बचने के तरीके बताएं और रोज मास्क, सैनिटाइजर का उपयोग करें, क्योंकि सतर्कता ही इसका बचाव है। हम आनलाइन रहकर ही पढ़ाई कर रहे हैं।

– मोहित किरार, छात्र, जावरा

साक्षी अरोड़ा

कोविड-19 की दूसरी लहर प्रथम लहर की तुलना में अधिक खतरनाक है। अतः अधिक सतर्क रहते हुए सभी नियमों का कड़ाई से पालन करना होगा। दो गज की दूरी के साथ मास्क लगाना जरूरी है। आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलें। सकारात्मक सोच बनाए रखें।

– साक्षी अरोड़ा कोरियोग्राफर, जावरा

संजय पाटीदार

मास्क हमें सुरक्षित रखने का काम कर रहा है। हालांकि जागरूकता व सख्ती के कारण अब अधिकांश लोग मास्क लगाने लगे हैं। आज के समय में कोरोना से बचाव के लिए यही एक मात्र साधन है।

– संजय पाटीदार (मीणा), युवा किसान, आम्बा

मुख्यमंत्री ने कोरोना नियंत्रण के संबंध में प्रभारी मंत्रियों और मैदानी अफसरों को दिए निर्देश

सात मई तक कोरोना कर्फ्यू का कराएं कड़ाई से पालन

राजएक्सप्रेस 29-04-2021

भोपाल, (प्रसं)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने से ही कोरोना पर विजय पाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने में सबसे ज्यादा कारगर उपाय कोरोना कर्फ्यू है। जनता को प्रेरित कर इसका सात मई तक कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें। जनता कर्फ्यू कोई लॉकडाउन नहीं है, जनता द्वारा स्वयं संक्रमण से सुरक्षा के लिए लिया गया निर्णय है। उन्होंने कहा कि मुझे खुशी है प्रदेश के लगभग 90 प्रतिशत ग्राम पंचायतें, अपने गांवों में कोरोना कर्फ्यू लगाने का स्वयं संकल्प ले चुकी हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बुधवार को यहां कोरोना नियंत्रण के संबंध में कोविड प्रभारी मंत्रियों, कमिश्नर, कलेक्टर्स, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक एवं जिले में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से वर्चुअली चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश में पॉजिटिव मरीजों की दर लगातार घट रही है। मंगलवार को यह दर 22.76 प्रतिशत थी। जो बुधवार को घटकर कर 21.71 प्रतिशत हो गई है। कोरोना एक्टिव केस के मामले में मध्यप्रदेश देश में 7वें नंबर से बेहतर स्थिति में होकर 11वें नंबर पर आ गया है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोरोना की रिकवरी दर लगातार बढ़ रही है। 23 अप्रैल को रिकवरी दर 80.41 प्रतिशत थी जो बढ़कर 81.75 प्रतिशत हो गई है। इसके साथ रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है, जो कल तक कुल 11 हजार 577 थी। बुधवार को 14 हजार 156 हो गई है। प्रदेश के एक्टिव प्रकरण में आज पहली बार कमी देखने को मिली है। कल तक 94 हजार 276 एक्टिव प्रकरण थे, जो बुधवार को घटकर 92 हजार 773 हो गए हैं। प्रदेश के छिंदवाड़ा, शाजापुर, पन्ना, आगर-मालवा, उमरिया, कटनी, अनूपपुर, गुना, देवास और बड़वानी जिलों में प्रतिदिन नए पॉजिटिव केसों में कमी आई है। श्री चौहान ने कहा कि प्रदेश के कुछ जिलों में नए पॉजिटिव केस निरंतर बढ़ रहे हैं, जिनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन शामिल हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि सभी जिलों में ऑक्सीजन और इंजेक्शन का आवश्यकतानुसार वितरण किया जा सके।

बुधवार को भोपाल में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना नियंत्रण एवं व्यवस्थाओं के संबंध में सभी जिला क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के साथ वर्चुअल संवाद किया।

किल कोरोना-2 अभियान को.दें प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलों के जिन क्षेत्रों में संक्रमण दर अधिक है, वहां किल कोरोना अभियान-2 चलाया जा रहा है। इसमें रीवा, सीहोर, सतना, रायसेन, दतिया, अनूपपुर, नीमच, शिवपुरी, नरसिंहपुर और श्योपुर जिले शामिल हैं। उन्होंने कहा कि संक्रमण प्रभावित क्षेत्रों में माइक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र घोषित कर संक्रमण को वहीं रोक दें। सर्वे में संभावित मरीजों को तत्काल मेडिकल किट एवं सावधानी संबंधी ब्रोशर उपलब्ध करवाकर होम आईसोलेट कराएं।

होम आइसोलेशन एवं कोविड सेंटर्स हों सक्रिय

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 28 अप्रैल तक 69 हजार मरीज होम आईसोलेटेड हैं। प्रयास यह होना चाहिए कि मरीजों को अस्पताल ले जाने की जरूरत नहीं पड़े। वे होम आईसोलेशन में ही ठीक हो जाएं। होम क्वारंटाइन एवं कोविड केयर सेंटर में मरीजों की देखभाल के लिए उनसे सतत संवाद रखें। जिन क्षेत्रों में संक्रमण केस अधिक आ रहे हैं, वहां माइक्रो प्लानिंग कर माइक्रो कन्टेनमेंट एरिया बनाएं।

रेमडेसिविर इंजेक्शन उसे मिले जिसे जरूरत हो

रेमडेसिविर इंजेक्शन एवं ऑक्सीजन की आपूर्ति के संबंध में श्री चौहान ने कहा कि रेमडेसिविर इंजेक्शन के उपयोग के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन कराएं। अनावश्यक रूप से इंजेक्शन की मांग पर अंकुश लगाएं। इंजेक्शन उसे मिले जिसे जरूरत हो और उतना जितनी आवश्यकता हो।

सभी संभाग में बनेगा बड़ा ऑक्सीजन प्लांट

श्री चौहान ने कहा कि प्रत्येक संभाग में अधिकतम छह माह में एक-एक बड़ा ऑक्सीजन प्लांट स्थापित किया जाएगा, इसके लिए स्थान सुनिश्चित करें। पीथमपुर में पुराने गैस प्लांट को सुधारा गया है, जिससे 30 से 32 मीट्रिक टन ऑक्सीजन प्राप्त होगी। मालनपुर में भी ऐसे ही प्रयास किए गए हैं। बीना रिफायनरी में ऑक्सीजन तो है, परंतु उसे टैंकर में नहीं भरा जा सकता है, अतः वहीं पर हॉस्पिटल निर्माण कराया जा रहा है। ऑक्सीजन की आपूर्ति के लिए हम रेल, सड़क और वायु मार्ग से जरूरी ऑक्सीजन प्राप्त कर रहे हैं। इसके साथ ही केंद्र के साथ समन्वय कर आपूर्ति के प्रयास जारी है।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–स्वदेश–––पृष्ठ 06 दिनांक 29/04/2021

कोरोना संक्रमण की कड़ी तोड़ना जरूरी

मुख्यमंत्री ने कोरोना नियंत्रण के संबंध में कोविड प्रभारी मंत्रियों, कमिश्नर, कलेक्टर्स, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक एवं जिले में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से वर्चुअली चर्चा

भोपाल ● 28 अप्रैल (ब्यूरो)
मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कहा कि कोरोना संक्रमण की कड़ी को तोड़ने से ही कोरोना पर विजय पाई जा सकती है। कोरोना एक्टिव केस के मामले में प्रदेश देश में 7 वें नंबर से बेहतर स्थिति में होकर 11 वें नंबर पर आ गया है।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज यहां कोरोना नियंत्रण के संबंध में कोविड प्रभारी मंत्रियों, कमिश्नर, कलेक्टर्स, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक एवं जिले में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से वर्चुअली चर्चा करते हुए बताया कि प्रदेश में पॉजिटिव मरीजों की दर लगातार घट रही है। मंगलवार को यह दर 22.76 प्रतिशत थी। जो आज घटकर कर 21.71 प्रतिशत हो गई है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोरोना की रिकवरी दर लगातार बढ़ रही है। 23 अप्रैल को रिकवरी दर 80.41 प्रतिशत थी जो बढ़कर 81.75 प्रतिशत हो गई है। इसके साथ रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है, जो कल तक कुल 11 हजार 577 थी। आज 14 हजार 156 हो गई है। प्रदेश के एक्टिव प्रकरणों में आज पहली बार कमी देखने को मिली है। कल तक 94 हजार 276 एक्टिव प्रकरण थे, जो आज घटकर 92 हजार 773 हो गए हैं। प्रदेश के छिंदवाड़ा, शाजापुर, पन्ना, आगर-मालवा, उमरिया, कटनी, अनूपपुर, गुना, देवास और बड़वानी जिलों में प्रतिदिन नए पॉजिटिव केसों में कमी आई है।

10 मई तक तालाबंदी की तैयारी

केंद्र ने मप्र सरकार से कहा– जहां संक्रमण दर 10 प्र. से ज्यादा, वहां 10 दिन का सख्त तालाबंदी लगाओ

भोपाल ● 28 अप्रैल (ब्यूरो)
मध्यप्रदेश में तालाबंदी (कोरोना कर्फ्यू) 10 मई की सुबह 6 बजे तक बढ़ाया जाएगा। यह लगभग तय हो गया है। अलग-अलग जिलों में संक्रमण की ताजा स्थिति देखते हुए राज्य सरकार को ये फैसला लेना पड़ रहा है। शुरुआत होशंगाबाद, उज्जैन से हो भी गई है। राज्य सरकार यह निर्णय केंद्र सरकार के निर्देश पर ले रही है। केंद्रीय गृह सचिव अनिल कुमार भल्ला ने मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव इकबालसिंह बैंस को 26 अप्रैल को पत्र लिखा। इसमें कहा गया, जिन जिलों में संक्रमण दर औसतन 10 प्र. से ज्यादा है, वहां जनता कर्फ्यू (तालाबंदी) अगले 10 दिन और बढ़ा दें। इसके बाद सरकार इसकी तैयारी में जुट गई है। मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने कोर ग्रुप की बैठक में इसके संकेत भी दे दिए।

■**फिलहाल 3 मई तक कोरोना कर्फ्यू**–वर्तमान में लगभग सभी शहरों में 3 मई तक कोरोना कर्फ्यू लागू है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में जहां संक्रमण फैल रहा है, वहां अघोषित तालाबंदी की गई है, लेकिन प्रदेश में संक्रमण की रफ्तार कम नहीं हो रही है। अप्रैल माह के शुरुआत से कोरोना कर्फ्यू के दौरान बाजार बंद हैं। आवश्यक सेवाओं से जुड़े विभागों को छोड़कर सभी सरकारी दफ्तरों में स्टाफ की क्षमता 10 प्र. कर दी गई है। बावजूद इसके संक्रमण की गति धीमी नहीं हो रही है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

10 मई तक...

संभावना जताई जा रही है कि सरकार 7 मई तक जिलेवार तालाबंदी बढ़ाने के ऑर्डर जारी कराएगी। चूंकि 8 और 9 मई को शनिवार-रविवार है, दो दिन का वीकेंड तालाबंदी संबंधी स्टैंडिंग ऑर्डर पहले से ही लागू है। इस तरह माना जा रहा है कि 10 मई की सुबह 6 बजे तक प्रदेश के सभी जिलों में सबकुछ बंद रहेगा। जिलों में वहां के हालात को देखते हुए क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी रियायतें और पाबंदी में बदलाव करेंगी।

छोटे शहर-कस्बों में कोरोना चेन तोड़ना बनी चुनौती–बैठक में बताया गया कि आठ जिलों शाजापुर, पन्ना, आगर मालवा, उमरिया,

की दर पिछले दो दिन में घटी है, जबकि 7 अन्य छोटे जिलों में टीकमगढ़, दतिया, शिवपुरी, सिंगरौली, विदिशा, दमोह और नीमच में संक्रमण की दर 30 प्र. से भी ज्यादा पहुंच गई है। गांवों में कोरोना चेन तोड़ना चुनौती बनता जा रहा है। अन्य जिलों में यह स्थिर है या घट-बढ़ रही है। मुख्यमंत्री के समक्ष स्वास्थ्य विभाग के प्रजेंटेशन के मुताबिक 4 जिले- छिंदवाड़ा, बुरहानपुर, खंडवा व भिंड को छोड़कर सभी जिलों में औसत संक्रमण दर 37 प्र. तक है। यह जानकारी आने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में सख्ती की जरूरत है। उन्होंने अफसरों से केंद्र सरकार के पत्र के मुताबिक कोरोना कर्फ्यू बढ़ाने की तैयारी करने को कहा है।

आम लोग भी अब चाहते हैं पिछली बार जैसी सख्ती–अप्रैल में कोरोना के कोहराम से अब आम लोग भी तालाबंदी के पक्षधर होते जा रहे हैं। लोगों ने मामले में शिवराज सरकार से अपील भी की है कि फिजूल घूमने वालों को रोकें और सख्ती बढ़ाई जाए। इससे कोरोना की चेन तोड़ी जा सके और संक्रमण दर घटा

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार– भावभारती --पृष्ठ 02 दिनांक 29/04/2021

निगमायुक्त खुद पहुंचे मेडिकल कॉलेज, ऑक्सीजन सिलेण्डर को लेकर ने ली जानकारी

रतलाम। मेडिकल कॉलेज में उपचारत् कोविड-19 के भर्ती मरीजों किसी भी प्रकार से ऑक्सीजन की कमी ना हो इस हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा ऑक्सीजन सिलेण्डर कार्य की सतत् निगरानी रखी जा रही है जिसके तहत निगम आयुक्त श्री झारिया ने मेडिकल कॉलेज पंहुचकर ऑक्सीजन सिलेण्डर के संबंध में जानकारी ली। निगम आयुक्त श्री झारिया ने मेडिकल कॉलेज पंहुचकर कॉलेज डीन श्री जितेन्द्र गुप्ता से ऑक्सीजन सिलेण्डर सप्लाय व अन्य व्यवस्थाओं के

संबंध में चर्चा कर व्यवस्थाओं में सुधार किये जाने हेतु भरोसा दिलाते हुए कहा कि नगर निगम मरीजों की सुरक्षा व अन्य सहयोग हेतु हमेशा तत्पर है। यहां सहायक यंत्री श्याम सोनी, स्वास्थ्य अधिकारी एपी सिंह आदि उपस्थित थे।

141 मरीजों को घर जाकर दी मेडिसिन किट

रतलाम। कोविड-19 संक्रमित होकर होम आइसोलेट होकर इलाज ले रहे 141 मरीजों को बुधवार को निगम की टीम ने ने मेडिसिन किट घर जाकर दी। ई-दक्ष केंद्र से 166 की मरीजों की सूची मिली थी। इनमें से 141 मरीजों को किट दी गई। 8 अस्पताल में भर्ती पाए गए, जबकि 6 के पते और मोबाइल नंबर गलत थे। 7 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर के निकले। वहीं तीन को पहले ही किट मिल चुकी थी।

सीएम की क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप से वर्चुअली चर्चा

रतलाम। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कोरोना नियंत्रण के संबंध में बुधवार को कोविड प्रभारी मंत्रियों, कमिश्नर, कलेक्टर्स, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक एवं जिले में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से वर्चुअली चर्चा की। रतलाम एनआईसी कक्ष में विधायक शहर चैतन्य काश्यप, जावरा विधायक डा.राजेन्द्र पांडे, कलेक्टर गोपाल चंद्र डाड, जिला पुलिस अधीक्षक गौरव तिवारी, राजेंद्र सिंह लुनेरा, गोविंद काकानी मौजूद थे।

नितलेश गोपाल बिड़वान सेवा से बर्खास्त

रतलाम। तीस दिनी बदली सफाई कर्मचारी नितलेश गोपाल बिड़वान को नगर निगम आयुक्त ने सेवा से बर्खास्त कर दिया है। गांधी नगर निवासी नितलेश ने माता आनंदीबाई पति गोपाल के स्थान पर अनुकंपा नियुक्ति के लिए आवेदन कर रखा है। पुलिस विभाग से चरित्र सत्यापन कराने पर नितलेश पर 6 विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध होना पाए गए। इसका उल्लेख नितलेश ने फॉर्म में नहीं किया था। इसलिए न्यायालयीन प्रकरणों का उल्लेख अनुप्रमाणन फॉर्म में नहीं करने, तथ्य छिपाने को लेकर आयुक्त ने कार्रवाई की है।

141 होम आईसोलेशन मरीजों को मेडिसिन किट

रतलाम। कोविड–19 संक्रमण में होम आईसोलेशन के मरीजो को मेडिसिन किट व स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों की प्रति की होम डिलेवरी किये जाने हेतु निगम आयुक्त सोमनाथ झारिया द्वारा वार्ड वार गठित दलों द्वारा मरीजो के घर जाकर मेडिकल किट प्रदान की। ई–दक्ष केन्द्र रतलाम से 28 अप्रैल बुधवार को होम आईसोलेशन के मरीजो की सूची स्वास्थ्य अधिकारी ए.पी. सिंह ने प्राप्त कर जिला अस्पताल के स्टोर से 166 मेडिसिन किट प्राप्त कर निगम के अग्निशमन विभाग में उपलब्ध कराई। अग्निशमन विभाग से वार्ड वार गठित दलो वितरण हेतु उपलब्ध कराई गई। वार्ड वार गठित दलो द्वारा होम आईसोलेशन के मरीजो के घर–घर जाकर मेडिकल किट का वितरण किया गया जिसके तहत सूची अनुसार 141 मरीजो को मेडिकल किट का वितरण किया। 8 मरीज उपचार हेतु अस्पताल में भर्ती, 6 मरीजो के कान्टेक्ट नम्बर व पते गलत तथा 7 मरीज नगरीय सीमा क्षेत्र के बाहर व 3 मरीजो को किट प्राप्त होना पाया गया।

फायर लॉरी से किया सैनेटाईज

रतलाम। जिला कलेक्टर एवं प्रशासक नगर पालिक निगम गोपालचन्द्र डाड के निर्देशानुसार निगम के विभिन्न वाहनों के माध्यम से सोडियम हाईपोक्लोराईड से सैनेटराईज किया जा रहा है साथ ही माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्रों में भी हैण्ड मशीन से सैनेटाईजेशन किया जा रहा है। नगर निगम द्वारा प्रतिदिन फायर लॉरी व टेक्टर ट्रॉली से नगर के विभिन्न क्षेत्रों की सड़कों, गलियों, भवन आदि को 1 प्रतिशत सोडियम हाईपोक्लोराईड मिलाकर 1 लाख लीटर से सैनेटराईज किया जा रहा है। 28 अप्रैल को फायर लॉरी से अम्बेडकर नगर, सखवाल नगर, हरिजन बस्ती सहित नगर के विभिन्न क्षेत्रों में सैनेटाईजेशन किया गया। इसके अलावा 14 व्यक्तियों की टीम द्वारा हैण्ड मशीन के माध्यम से मेडिकल कॉलेज, माईक्रो कन्टेनमेंट क्षेत्र, कलेक्टोरेट, ई–दक्ष कार्यालय, नगर निगम कार्यालय आदि में सैनेटाईजेशन का कार्य किया गया।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार राज एक्सप्रेस पृष्ठ 05 दिनांक 29/04/2021

नगरों में जल्द स्थापित करें विद्युत और गैस शवदाह गृह : भूपेंद्र सिंह

भोपाल, (प्रसं)। प्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि नगर की जनसंख्या के अनुरूप नगर में विद्युत/गैस शवदाह गृह बनाने की कार्यवाही तत्काल प्रारंभ करें। पांच लाख और उससे अधिक जनसंख्या के शहरों में आवश्यकतानुसार एक से अधिक शवदाह गृह बनाएं जा सकते हैं। एक लाख से पांच लाख तक की आबादी के शहरों में कम से कम एक विद्युत/गैस शवदाह गृह बनाने का लक्ष्य रखा जाएं। श्री सिंह ने कहा है कि किसी नगर में स्थापित विद्युत/गैस आधारित शवदाह गृह कार्यशील नहीं है, तो अतिशीघ्र उसे क्रियाशील करवाएं।

प्रमुख सचिव नगरीय प्रशासन एवं विकास नीतेश व्यास ने कहा है कि विद्युत/गैस शवदाह गृह पर्यावरण, स्वच्छता तथा वायु प्रदूषण कम करने की दृष्टि से उपयोगी कदम है। इन शवदाह गृहों को स्थापित करने के लिए निकाय स्वयं की निधि, 15वें वित्त आयोग की वायु प्रदूषण/ स्वच्छता हेतु प्रावधानित राशि और विधायक/ सांसद निधि का उपयोग कर सकते हैं। इस कार्य के लिए कई सामाजिक संस्थाएं भी सहायता के लिए तत्पर रहती है। इन संस्थाओं के माध्यम से भी विद्युत/गैस शवदाह गृह स्थापित करने के लिए जन सहयोग प्राप्त करने का प्रयास किया जाए।

प्रदेश में अभी तक एक लाख 12,602 कोरोना मरीजों तक पहुंची मेडिकल किट

भोपाल, (प्रसं)। मध्यप्रदेश में होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को अभी तक 52 जिलों मे एक लाख 12 हजार 602 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री भूपेंद्र सिंह ने बताया है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार होम आइसोलेट कोरोना मरीजों को मेडिकल किटों का वितरण लगातार जारी है। अभी तक 52 जिलो मे एक लाख 12 हजार 602 मेडिकल किट वितरित की जा चुकी है।। उन्होंने बताया है कि 18 अप्रैल से 27 अप्रैल के मध्य नगरीय क्षेत्रों में फीवर क्लीनिक व होम डिलीवरी के माध्यम से एक लाख 12 हजार 602 मेडिकल किट कोविड मरीजों को उपलब्ध कराई गई है। 18 अप्रैल को 12 हजार 583, 19 अप्रैल को 16 हजार 914, 20 अप्रैल को 11 हजार 465, 21 अप्रैल को 10 हजार 327, 22 अप्रैल को 11 हजार 76, 23 अप्रैल को 11 हजार 17, 24 अप्रैल को 10 हजार 658, 25 अप्रैल को 9 हजार 497, 26 अप्रैल को 9 हजार 360 और 27 अप्रैल को 9 हजार 705 कोविड मरीजों को मेडिकल किट वितरित की गई है।

रतलाम में 7 मई की सुबह 6 बजे तक बढ़ा कोरोना कर्फ्यू

रतलाम. जिले में कोरोना कर्फ्यू को कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी गोपाल चंद्र डाड द्वारा आदेश जारी कर 7 मई की सुबह 6 बजे तक के लिए बढ़ा दिया गया है। देर रात जारी किए गए आदेश में बताया गया कि 29 अप्रैल की सुबह 6 बजे से यह आदेश प्रभावशील रहेगा। उक्त आदेश से अत्यावश्यक सेवा वाले विभाग ही मुक्त रहेंगे। सभी मेडिकल दुकान सुबह 10 से शाम 4 बजे तक खुली रहेगी और जिला अस्पताल या निजी अस्पतालों के आसपास की दुकानें 24 घंटे चालू रह सकेंगी। वहीं फल, सब्जी विक्रेता सुबह 8 से दोपहर 1 बजे तक ही घर-घर जाकर सामग्री बेच सकेंगे। इसके अतिरिक्त पूर्व में जो निर्देश जारी किए गए थे वह लागू रहेंगे।

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर पृष्ठ 11 दिनांक 29/04/2021

दैनिक भास्कर, गुरुवार, 29 अप्रैल, 2021

अब हर चौथा सैंपल संक्रमित, जबकि, 59 दिन पहले 92 में से एक निकल रहा था पॉजिटिव

- शिवगढ़ और सरवन में एक दिन में 33 केस आए
- फीवर क्लीनिक में हर चौथे की रिपोर्ट पॉजिटिव

भास्कर संवाददाता | रतलाम

हमारे जिले में कोरोना पॉजिटिव की संख्या 10 हजार के पार हो गई है। शहर में कोरोना संक्रमण बेकाबू रफ्तार से बढ़ रहा है। जांच में हर चौथा सैंपल पॉजिटिव निकल रहा है, 59 दिन पहले तक 92 में से एक सैंपल संक्रमित निकल रहा था। इधर, शहर के बाद ग्रामीण क्षेत्र में संक्रमण की रफ्तार चिंताजनक है, ऐसा इसलिए क्योंकि, शिवगढ़ और सरवन में एक दिन में 33 मामले सामने आए हैं। शहर के अलकापुरी, जवाहर नगर, इंद्रलोक नगर सहित अन्य इलाकों में रोज दो से ज्यादा संक्रमित सामने आ रहे हैं।

हमारे शहर में कोरोना संक्रमण किस तरह फैला है, इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि फीवर क्लिनिक में पहुंचने वालों में से औसतन हर चौथे व्यक्ति के सैंपल की रिपोर्ट पॉजिटिव आ रही है। जिले में एक दिन में 900 से ज्यादा सैंपलों की जांच हो रही है, इसमें 200 से ज्यादा सैंपल पॉजिटिव आ रहे हैं। जबकि, 1 मार्च तक की स्थिति में शहर में 200 सैंपलों की जांच हो रही थी, इसमें से 92वां या 94वां सैंपल पॉजिटिव आ रहा था। इधर, संक्रमण ने ग्रामीण क्षेत्रों में पकड़ बनाना शुरू कर दी है, मंगलवार को एक ही दिन में शिवगढ़ में 19 तो सरवन में 14 मामले सामने आ गए।

ग्रामीण क्षेत्रों तक फैला संक्रमण... अलकापुरी, जवाहर नगर, इंद्रलोक नगर में रोज सामने आ रहे मामले

900 से ज्यादा सैंपल ले रहे

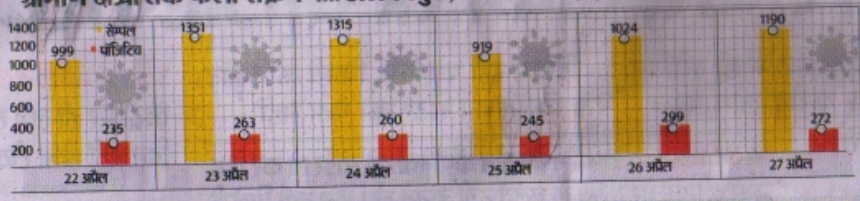

- जिले में सैंपलिंग बढ़ा दी है, 900 से ज्यादा सैंपल रोज हो रहे हैं। पॉजिटिव की संख्या बढ़ी है, सावधान रहने की जरूरत है। लॉकडाउन का ईमानदारी से पालन करें।

डॉ. गौरव बोरीवाल, एपेडेमियोलॉजिस्ट, रतलाम

शहर में 6 दिन से इन क्षेत्रों में 2 से ज्यादा संक्रमित मिल रहे

दिनांक	क्षेत्र	संक्रमित
27 अप्रैल	अलकापुरी	4
	जवाहर नगर	4
	काटजू नगर	9
26 अप्रैल	शक्तिनगर	4
	इंद्रलोक नगर	6
	डोंगरा नगर	9
	जवाहर नगर	5
	कस्तूरबा नगर	6
	काटजू नगर	4
	अलकापुरी	4
25 अप्रैल	इंद्रलोक नगर	4
	अलकापुरी	6
	डोंगरा नगर	6
	जवाहर नगर	8
24 अप्रैल	काटजू नगर	5
	जवाहर नगर	2
	ग्लोबस	3
	इंद्रलोक नगर	2
23 अप्रैल	इंद्रलोक नगर	6
	अलकापुरी	4
	कस्तूरबा नगर	8
	जवाहर नगर	8
22 अप्रैल	अलकापुरी	6
	काटजूनगर	5
	डोंगरा नगर	5
	कस्तूरबा नगर	7
	जवाहर नगर	7

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार दै. भास्कर –पृष्ठ 08 ...दिनांक 29/04/2021

बढ़ रहा संक्रमण : अब होस्टल और स्कूल भवन बन रहे आइसोलेशन वार्ड

त्रिपोलिया गेट पर 30 बेड का आयुर्वेद अस्पताल खाली पड़ा

भास्कर संवाददाता | रतलाम

29-4-21

कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए प्रशासन स्कूल भवनों, छात्रावासों को आइसोलेशन वार्ड बना रहा है। त्रिपोलिया गेट स्थित 30 बेड का आयुर्वेद अस्पताल खाली पड़ा है। इसे आइसोलेशन वार्ड तो बनाया ही जा सकता है। वहीं अस्पताल को वार्ड बनाया जाए तो यहां सुविधा जुटाने की जरूरत नहीं है।

मरीजों को सुविधा मिलेगी। साथ ही इसका सबसे ज्यादा फायदा बाजार क्षेत्र के लोगों को होगा। क्योंकि यह अस्पताल त्रिपोलिया गेट के पास स्थित है। इससे बाजार क्षेत्र और आसपास की कॉलोनियों और गांवों को फायदा हो और यहां मरीजों का इलाज आसानी से हो सके।

पीछे का भवन नया बना : रामगढ़ साइड में जहां पुराना आयुर्वेद अस्पताल का भवन है। पीछे का भवन नया बनाया है। इस भवन में बेड मौजूद है। पहले यहां मरीजों को भर्ती किया जाता था। कुछ सालों से यहां भर्ती करना बंद कर दिया है। अब जिला अस्पताल में आयुष भवन बनने से ज्यादातर लोग वहीं जाते हैं। कोरोना काल में यदि ध्यान दिया जाए और थोड़ी सी सुविधा जुटाई जाए तो अस्पताल भी कोरोना संक्रमण की रोकथाम में काम आ सकता है।

त्रिपोलिया गेट स्थित आयुर्वेद अस्पताल के गलियारे में भी लगे हैं बेड।

अस्पताल बने तो इन क्षेत्र के लोगों को सबसे ज्यादा फायदा

चांदनीचौक, चौमुखीपुल, तेजानगर, रामगढ़, कल्याणनगर, चौमुखीपुल, घास बाजार, सायर चबूतरा, हरमाला रोड, सेठजी का बाजार, फोरवाड़ी का वास, त्रिपोलिया गेट क्षेत्र, बोहरा बाखल, अमृतसागर कॉलोनी, दीनदयालनगर, टाटानगर, मोतीनगर, कसारा बाजार, बाजना बस स्टैंड, शांति निकेतन कॉलोनी, सिलावटों का वास सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को फायदा मिले।

बेड खाली होने पर ही मेडिकल कालेज में ले रहे मरीज

कोविड केयर सेंटर के गेट के बाहर ही गार्डों ने रोका, गर्मी से भी परेशानी

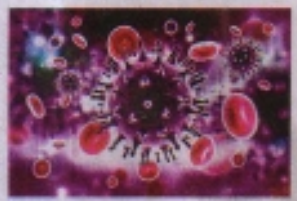

सैलाना रोड पर बंजली स्थित शासकीय मेडिकल कालेज का मुख्य द्वार। • फाइल फोटो

रतलाम (नईदुनिया प्रतिनिधि)। मेडिकल कालेज के कोविड केयर सेंटर में कोरोना मरीजों को भर्ती करने के लिए बेड कम पड़ने लगे हैं। अब मरीजों को सीधे अस्पताल के अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। गेट के बाहर ही गार्ड रोक लेते हैं और घंटों इंतजार के बाद मरीजों को अंदर जाने दिया जा रहा है, जिससे

में परेशान हो रहे हैं। मंगलवार सुबह से ही यह व्यवस्था लागू हो गई है, जिससे लोग परेशान होते रहे। वहीं अस्पताल प्रबंधन का कहना है कि मरीजों के अटेंडर

अनावश्यक विवाद होता है। कई लोग बिना किसी जानकारी के सीधे मरीजों को लेकर अंदर आ जाते हैं, जिससे व्यवस्था बिगड़ रही थी, इसलिए अब बेड का

लिया जा रहा है। कोविड केयर सेंटर में क्षमता से अधिक मरीज भर्ती हैं, इसके बावजूद किसी तरह बेड इंतजाम कर मरीजों को भर्ती कर रहे हैं।

डीन डा. जितेंद्र गुप्ता ने बताया कि अस्पताल में आए सभी मरीजों को हम उपचार दे सकें और व्यवस्था बना सकें, इसके लिए अब गेट पर ही रोक रहे हैं। जब अंदर व्यवस्था बन जाती है तो मरीजों को लिया जा रहा है। मरीज लेकर स्वजन सीधे आ जाते हैं, इसके बाद जल्दी मचाने से व्यवस्था बिगड़ने लगती है। हम मरीजों के हित में ही काम कर रहे हैं, उसे दूसरे नजरिए से न देखा जाए। लगातार मरीज बढ़ रहे हैं और

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार राज एक्सप्रेस पृष्ठ 07 दिनांक 29/04/2021

कोरोना को लेकर जिले की स्थिति की जानकारी ली, सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया ने

सीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंस से किया संबोधि

...गी होने की सूचना प्रदेश विद्युत पावर ...के कर्मचारी गण ...के कर्मचारी मौके ...शक्कत कर आग को ...प्रयास करने लगे।

पावर फ... जा सक... तक व... टहनियो... के लिए... अभ्यार...

रतलाम ■ मुख्यम... सम्बोधित... की जानक...

...ना सेंटर ह...

गम्भीरता ...री मंत्री से माँग की साथ ही यह ... पांडेय,भा... कायथा में भी कोविट के टैस्ट ... पुलिस ... उनकी समस्याएं सुनी और कोरोना ... सिंह,अपर... निरीक्षण किया। उच्च शिक्षा मंत्री ... विभिन्न ...चिनक अधिकारियों को भी नहीं लगी...

जिले ... ...थ भाजपा सांसद उज्जैन आलो... फिरोजिया मौजूद थे।

बैठक ...। की शिकायतों का रखा ध्यान ... ने विधायक ...तहसील में पिछले 1 माह कोविड ... चर्चा की। ...रने आ रहे हैं। कोरोना वायरस ... आकर्षित ...तहसील में कोरोना स्पॉट बना रखा है ... का आग्रह ...लक्ष्मीपुरा स्थित सत्यम हॉस्पिटल ...

अटकी सांसें : शाम 6.30 बजे ऑक्सीजन के दोनों प्लांट बंद, रात 10 बजे नागदा से जुटाए 100 सिलेंडर, 54 रात को ही पहुंचे

सीएम को स्थिति बताई तब मिली ऑक्सीजन

भास्कर संवाददाता | रतलाम

29-4-2021

बुधवार रात कोविड अस्पतालों में भर्ती 95 से ज्यादा संक्रमितों की सांस अटकते-अटकते बची। दरअसल मालवा ऑक्सीजन के बाद शाम 6.30 बजे महावीर प्लांट भी लिक्विड ऑक्सीजन नहीं होने से बंद हो गया। उस समय 100 से ज्यादा सिलेंडर रिफिलिंग के लिए पड़े थे। प्लांट के बंद होने की जानकारी लगते ही निजी अस्पताल संचालकों के होश फाख्ता हो गए क्योंकि उनके पास एक या दो घंटे की ऑक्सीजन ही बची थी। जानकारी लगने पर विधायक चेतन्य काश्यप और कलेक्टर गोपालचंद्र डाड भी सकते में आ गए। आखिर में कोविड प्रभारी मंत्री जगदीश देवड़ा और विधायक काश्यप ने सीधे मुख्यमंत्री को सारी स्थिति बताई। इसके बाद रात साढ़े 10 बजे उज्जैन से 5 एमटी आक्सीजन की व्यवस्था हुई। नागदा प्लांट से 100 में से 54 सिलेंडर देर रात यहां पहुंच गए। हालांकि इस बीच आयुष ग्राम कोविड अस्पताल को 15, जबकि कुछ सिलेंडर सीएचएल को दिए गए।

सिर्फ चार घंटे की ऑक्सीजन बची मेडिकल कॉलेज में

सबसे बड़े कोविड अस्पताल मेडिकल कॉलेज में भी बुधवार रात 11 बजे तक सिर्फ चार घंटे की ऑक्सीजन ही बची थी। डीन डॉ. जितेंद्र गुप्ता ने बताया हर 45 सेकंड में एक सिलेंडर खत्म हो रहा है। कल रात एक टैंकर 10 एमटी ऑक्सीजन लेकर आया था। वह भी तीन से चार घंटे में खत्म हो जाएगी। कुछ समझ नहीं आ रहा क्या हो रहा है। आयुष ग्राम कोविड हॉस्पिटल के डॉ. राजेश शर्मा ने बताया आईसीयू में हर 20 मिनट में एक सिलेंडर खत्म हो रहा है। रात को सिर्फ 15 ही मिले हैं। मरीजों को दूसरे अस्पताल में ले जाने की सलाह भी दे रहे हैं। स्थिति बहुत खराब है।

उज्जैन और नागदा से ऑक्सीजन सिलेंडर मिले हैं। पहले निजी अस्पतालों की पूर्ति की जाएगी। मेडिकल कॉलेज को कल टैंकर देंगे
– चेतन्य काश्यप, शहर विधायक

बमुश्किल इंतजाम हो गया है। कुछ घंटे में सिलेंडर शहर में पहुंच जाएंगे। लगातार सप्लाई बनी रहे इसकी कोशिश में लगे हुए हैं।
– गोपालचंद्र डाड, कलेक्टर-रतलाम

वैक्सीनेशन • अब सीधे 1 मई को ही हो पाएगा टीकाकरण, आज और कल नहीं लगेगी वैक्सीन, शाम 4 बजे बाद दिखा उत्साह

1 मई से भीड़ होगी... इस डर से वैक्सीन लगवाने 45+ वाले बढ़े, खाली पड़े केंद्रों पर भी उमड़े लोग, बाल चिकित्सालय में विवाद के बाद पुलिस पहुंची

भास्कर संवाददाता | रतलाम

1 मई से 18+ के लोगों का वैक्सीनेशन होगा... केंद्रों पर भारी भीड़ होगी। इस डर का असर... बुधवार को वैक्सीनेशन केंद्रों पर दिखा। 45+ की उम्र के लोग जिन्होंने अब तक वैक्सीन नहीं लगवाई थी, वे भी केंद्रों पर पहुंचे। बाल चिकित्सालय केंद्र पर तो भारी भीड़ हो गई। भीड़ को कंट्रोल करने स्टाफ आगे आया तो एक कर्मचारी से एक व्यक्ति ने झूमाझटकी की। विवाद भी हुआ। मौके पर पुलिस भी बुलानी पड़ी। बुधवार को 24 केंद्रों पर 1445 लोगों को वैक्सीन लगी। बाल चिकित्सालय में 618 लोगों को वैक्सीन लगी। हालांकि, 1 मई से केंद्रों पर सिर्फ उन लोगों को ही वैक्सीन लगाई जाएगी, जिनका रजिस्ट्रेशन होगा।

टीकाकरण के लिए रजिस्ट्रेशन के प्रति उत्साह बढ़ा लेकिन पोर्टल अटकने से काम नहीं हुआ

4 बजे बाद नहीं हो सका टीकाकरण

इधर, केंद्रों पर लोग वैक्सीन के लिए आ रहे थे लेकिन 4 बजे बाद टीकाकरण नहीं हो सका। दरअसल, शाम 4 बजे बाद रजिस्ट्रेशन के लिए भी लोगों का उत्साह दिखा। पोर्टल काम नहीं कर रहा था।

बाल चिकित्सालय में इस तरह रही भीड़।

बाल चिकित्सालय में पहुंची पुलिस।

निजी अस्पतालों से मंगवाई वैक्सीन

इधर, अब 29 व 30 अप्रैल को वैक्सीन नहीं लगाई जाएगी। बुधवार को निजी अस्पतालों से भी वैक्सीन के बचे हुए स्टाक को दोबारा मंगवा लिया गया। अब अस्पतालों को कीमत चुकाकर वैक्सीन खरीदना होगी।

मुक्तिधाम में भी परिजनों को नहीं मिल रही मनमानी से मुक्ति

अंतिम संस्कार के लिए तय राशि ₹2100 के अतिरिक्त ₹ 300 ले रहे

पत्रिका ग्राउंड रिपोर्ट

मुख्यमंत्री को ट्वीट कर दर्ज कराई शिकायत

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में कोरोना से जंग हारने वाले लोगों को मुक्तिधाम पहुंचने के बाद भी मुक्ति नहीं मिल रही है। संकट की इस घड़ी में जहां हर कोई एक दूसरे का साथ देने का प्रयास कर रहा है तो वहीं कुछ लोग इस आपदा में भी अवसर तलाश रहे हैं। जी हां ऐसा ही एक मामला अब शहर के भक्तन की बावड़ी मुक्तिधाम में भी देखने को मिला है, जहां पर मृतकों के परिजनों से रसीद के अतिरिक्त 300 रुपए वसूले जा रहे हैं।

दरअसल मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार के लिए 2100 रुपए की राशि तय की गई है लेकिन यहां पर 2100 रुपए की रसीद बनाने के बाद 300 रुपए अतिरिक्त वसूले जा रहे है, यह राशि किस चीज के लिए जा रही है, उसके बारे में भी शोकाकुल परिवार को कुछ नहीं बताया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज से शवों को पैक करके मुक्तिधाम तक पहुंचाने के मामले में चल रही वसूली को पत्रिका ने कुछ समय पूर्व ही उजागर किया था जिसके बाद अंदरूनी तौर पर कुछ हद तक व्यवस्था में सुधार तो हुआ है लेकिन अब मुक्तिधाम में यह वसूली शुरू हो गई है।

सीएम को ट्वीट कर शिकायत की

मुक्तिधाम में वसूली जा रही ₹ 300 की अतिरिक्त राशि के संबंध में रतलाम के प्रवीण कुमार के द्वारा मुख्यमंत्री को ट्वीट कर शिकायत दर्ज कराई गई है। जिला मुख्यालय पर अधिकारियों के कानों में जूं तक नहीं रेंगने के चलते पीड़ित सीएम को ही ट्वीट कर शिकायत दर्ज करा रहे हैं। ऐसा ही एक ट्वीट हाल ही में सीएम को किया है जिसमें मुक्तिधाम की रसीद में दर्ज 2100 रुपए की राशि के अतिरिक्त 300 रुपए लिए जाने का उल्लेख किया गया है।

यह लिखा ट्वीट में

प्रवीण कुमार द्वारा सीएम शिवराज सिंह चौहान को किए गए ट्वीट में लिखा गया है कि रतलाम के भक्तन की बावड़ी मुक्तिधाम में प्रत्येक शव के अंतिम संस्कार के लिए उनके परिजनों से 2100 + 300 की राशि ली जा रही है। इसके अलावा जरूरत का घी, कपूर आदि सामान परिजनों से ही मंगवाया जा रहा है जबकि यहां लगने वाली लकड़ियां गांव के लोगों द्वारा निःशुल्क दी जा रही है। पीड़ित ने शिकायत के साथ ही मुक्तिधाम की एक रसीद भी भेजी है।

संक्रमण दर घट रही है, लेकिन सावधानी रखना है

मुख्यमंत्री शिवराज ने क्राइसेस मैनेजमेंट ग्रुप से की चर्चा

मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने सदस्यों से वर्चुअल चर्चा की। • नईदुनिया

रतलाम। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को क्राइसेस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से वर्चुअल चर्चा की। सीएम ने कहा कि संक्रमण की चेन को तोड़ने से ही कोरोना पर विजय पाई जा सकती है। प्रदेश एक्टिव केसेस में देश में 7 वें नंबर से बेहतर स्थिति में होकर 11 वें नंबर पर आ गया है, लेकिन कोरोना का स्वरूप कब क्या रूप ले ले इसलिए हमें संभलकर चलना होगा।

मुख्यमंत्री ने कोविड प्रभारी मंत्रियों, कमिश्नर, कलेक्टर, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस अधीक्षक एवं जिले में क्राइसिस मैनेजमेंट ग्रुप के सदस्यों से वर्चुअली चर्चा की। रतलाम एनआइसी कक्ष में विधायक रतलाम शहर चेतन्य काश्यप, जावरा विधायक डा.राजेन्द्र पांडे, कलेक्टर गोपाल चंद्र डाड, एसपी गौरव तिवारी, राजेंद्र सिंह लुनेरा, गोविंद काकानी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में पाजिटिव मरीजों की दर लगातार घट रही है। मंगलवार को यह दर 22.76 प्रतिशत थी। जो आज घटकर कर

संकलन–नगर निगम, रतलाम अखबार–स्वदेश–––पृष्ठ 01 दिनांक 29/04/2021

आम्बेडकर ग्राउंड में कचरा अड्डा बनाना किसी को रास नहीं आ रहा

कचरा ग्राउंड बनाकर बीमारी को दे रहे आमंत्रण

रतलाम ● स्वदेश समाचार 29-4-21
पता नहीं क्या सोचक नगर निगम ने अम्बेडकर ग्राउंड को अस्थाई कचरा ग्राउंड बना रखा है, जो किसी को रास नहीं आ रहा है। कोरोना जैसी भयंकर महामारी प्रकोप से नए-नए बचाव के तरीके शासन-प्रशासन बताता है, परन्तु खुद इस प्रकार एक ग्राउंड को कचरा ग्राउंड बनाकर बीमारी को आमंत्रित कर रहा है। यह ग्राउंड सामाजिक कार्यों के लिए तथा खिलाड़ियों के लिए उपयोग में आता है।

पूर्व सांसद प्रतिनिधि शेरू पठान ने यह जानकारी देते हुए बताया कि खिलाड़ियों के लिए लड़ाई लड़ने वाले, लोकेंद्र भवन के निवासी, स्टेट बैंक कालोनी निवासी, कोर्ट के अभिभाषक सब देखते हैं मगर किसी को कुछ नहीं दिखता। कोरोना जैसी भयंकर महामारी के प्रकोप से नए-नए बचाव के तरीके शासन प्रशासन बताता है परंतु खुद खेल ग्राउंड को कचरे से भरकर यह हालत कर दी।

जोन क्र. 1/2 एवं 30 वार्डों का कचरा यहां एकत्रित करके दो -2 दिन तक नहीं उठाया जाता है। शहर के मध्य क्या रतलाम में बुद्धिजीवी लोगों को यह नहीं दिखता कि इस तरह के कचरे के ढेर से बीमारी फैलेगी की या नहीं। तत्काल जिला कलेक्टर अपने संज्ञान में लेकर अघोषित कचरा ट्रेंचिंग, ग्राउंड खिलाड़ी ग्राउंड को बचाया जाए और शहर के मध्य होने से आसपास के निवासी गणों को भी इस ग्रीष्मऋतु में होने वाली बीमारियों से बचाया जाए। ट्रेंचिंग ग्राउंड को अन्यत्र दूसरी जगह स्थापित किया जाए या फिर स्थापित जुलवानिया ट्रेंचिंग ग्राउंड पर डायरेक्ट वाहनों द्वारा पहुंचाया जाए अन्यथा शहर/ खिलाड़ी हित में बड़ा आंदोलन किया जाएगा एवं जिला प्रभारी मंत्री को भी अवगत कराया जाएगा।

दो स्थानों पर लगी आग, दमकलकर्मियों ने बुझाई

नामली। क्षेत्र में एक के बाद एक आगजनी की घटनाएं हो रही है। लगातार गेहूं के बचे अवशेषों व गेहूं का सुकला (पशु आहार) में प्रतिदिन क्षेत्र में कहीं न कहीं आग लगने की सूचना मिल रही है। नप कर्मचारी बालाराम कुमावत ने बताया कि बुधवार दोपहर ग्राम मोरदा के बापूसिंह के खेत पर सुकले में आग लगने की सूचना मिलते ही दमकलकर्मियों ने मौके पर पहुंच आग बुझाई। दोपहर बाद सत्यनारायण जाट के खेत पर गेहूं के अवशेष में आग लगने